NBT
नवभारत टाइम्स

ब्लैक फंगस का नकली इंजेक्शन बेचने वाले दवा कारोबारियों पर कसा शिकंजा, दो मेडिकल स्टोर संचालक हिरासत में

Raghavendra Shukla | LipiUpdated: 30 May 2021, 09:44:00 PM

कानपुर

उत्तर प्रदेश की कानपुर पुलिस ने ब्लैक फंगस के 68 नकली इंजेक्शन के साथ बीजेपी नेता समेत दो आरोपियों को अरेस्ट किया था। बीजेपी नेता की निशानदेही पर पुलिस ने प्रयागराज के दो मेडिकल स्टोर संचालकों को हिरासत में लिया है। कानपुर पुलिस मेडिकल स्टोर संचालकों से पूछताछ कर रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन नकली इंजेक्शन की मैन्यूफैचरिंग कहां हो रही है? मेडिकल स्टोर के पास इतनी बड़ी संख्या में नकली इंजेक्शन कहां से आए? प्रदेश भर में इनके एजेंट कहां-कहां पर मौजूद हैं? ऐसे कई सवालों का जवाब पुलिस तलाशने में जुटी है।

ग्वालटोली पुलिस ने बीते गुरुवार को प्रकाश मिश्र और ज्ञानेश शर्मा को 68 नकली ब्लैक इंजेक्शन के साथ अरेस्ट किया था। प्रकाश मिश्र खुद को बीजेपी नेता बताकर पुलिस कर्मियों पर रौब गांठ रहा था और वर्दी उतरवाने की धमकी दी थी। बीजेपी नेताओं के साथ प्रकाश मिश्र की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। पुलिस की पूछताछ में स्पष्ट हुआ था कि नकली इंजेक्शन की खेप प्रयागराज से आई थी।

कानपुर पुलिस ने प्रयागराज की स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मधुरम वाजपेई और पंकज अग्रवाल को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। कानपुर पुलिस दोनों मेडिकल स्टोर संचालकों को पकड़कर कानपुर लाई है। पुलिस के आलाधिकारी से पूछताछ कर रहे हैं। पूछताछ में यह बात निकल कर सामने आई है कि, इंजेक्शन की खरीद फरोख्त वॉट्सएप के जरिए हुई है।

क्या है वॉट्सएप कनेक्शन?

कानपुर का रहने वाला ज्ञानेश शर्मा ने एमआर की नौकरी करता था। ज्ञानेश शर्मा प्रयागराज के एक वॉट्सऐप ग्रुप से जुड़ा हुआ था। उसी वॉट्सऐप ग्रुप में प्रयागराज के मधुरम वाजपेई और पंकज अग्रवाल भी जुड़े हुए थे। मधुरम वाजपेई और ज्ञानेश शर्मा एक दूसरे को पहले से जानते थे। पंकज अग्रवाल ने कुछ दिन पहले वॉट्सऐप ग्रुप पर एक मैसेज चलाया था कि किसी को एंटी फंगल इंजेक्शन की जरूरत हो तो संपर्क कर सकता है। इस मैसेज के बाद ज्ञानेश ने मधुरम वाजपेई से इंजेक्शन खरीदवाने के लिए कहा था। मधुरम ने ही ज्ञानेश और पंकज की मुलाकात कराई थी और वहीं पर इंजेक्शन की डील हुई थी।

पुलिस निकलवाएगी बैंक डिटेल

कानपुर पुलिस ब्लैक फंगस के साथ पकड़े गए आरोपियों की बैंक डिटेल भी निकलवाएगी। पूछताछ में पता चला है कि इंजेक्शन की खरीद फरोख्त में लेनदेन बैंक से हुआ है। किस दिन कितना पैसा दवा कारोबारियों के खाते में ट्रांसफर हुआ। इसके साथ ही आरोपियों के खाते कितना पैसा कटा। इसकी जानकारी भी जुटाई जा रही है। ज्ञानेश और भाजपा नेता आपस में दोस्त थे।

Source: https://navbharattimes.indiatimes.com/state/uttar-pradesh/allahabad/prayagraj-medical-store-owner-selling-fake-black-fungus-injection-arrested/articleshow/83089136.cms